एम. ए. सुंदरेश्वरन

अकादेमी पुरस्कारः
कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन)

M.A. SUNDARESWARAN

Akademi Award:
Carnatic Instrumental Music (Violin)

तमिलनाडु के चेन्नई में 28 दिसंबर 1958 को संगीतकारों के एक परिवार में जन्मे, श्री एम. ए. सुंदरेश्वरन ने अपने दादा परूर सुंदरम अय्यर से कर्नाटक संगीत का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद आपने पिता परूर एम. एस. अनंतरामन और चाचा एम. एस. गोपालकृष्णन के संरक्षण में अपनी कला को निखारा। आपने किराना घराने के कृष्णानंद से हिन्दुस्तानी संगीत का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

आकाशवाणी के 'ए' श्रेणी के कलाकार, श्री सुंदरेश्वरन ने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने भारतीय संगीत और संगीत चिकित्सा जैसे विषयों पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आपने बहुत से छात्रों को वायलिन वादन का प्रशिक्षण भी दिया है। आपके संगीत की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको कांची कामकोटि पीठम द्वारा आस्थाना विद्वान की उपाधि (1994); तमिलनाडु सरकार द्वारा कलईमामणि (2003); डॉ. एम. बालमुरली कृष्णा द्वारा मधुरा मुरली पुरस्कार (2012); और महाराजापुरम संथानम मेमोरियल अवॉर्ड (2015) से सम्मानित किया गया है।

श्री एम. ए. सुंदरेश्वरन को कर्नाटक वाद्य संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 28 December 1958 at Chennai in Tamil Nadu in a family of musicians, Shri M.A. Sundareswaran received his initial training in Carnatic music from his grandfather Parur Sundaram Iyer and later groomed his art under the tutelage of his father Parur M.S. Anantharaman and his uncle M.S. Gopalakrishnan. He also received training in Hindustani music from Krishnanand of Kirana gharana.

'A' grade artist of All India Radio, Shri Sundareswaran has performed in prestigious cultural music festivals in India and abroad. He has conducted a number of seminars and workshops on Indian music and music therapy, and has trained many students. He has a large volume of recordings to his credit.

For his contribution in the field of Carnatic music, he has been honoured with the title of Asthana Vidwan by the Kanchi Kamakoti Peetham (1994); the Kalaimamani conferred by the Government of Tamil Nadu (2003); the Madhura Murali Puraskar given by Dr M. Balamurali Krishna (2012); and the Maharajapuram Santhanam Memorial Award in 2015.

Shri M.A. Sundareswaran receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for his contribution to Carnatic instrumental music.